



जमोदन्दी गीत १०८५

तद्वितीयं च

सिद्धांत

श्री २००५-०८

[illegible]

मक  
नसदीक की जाती है। उज्जरत रुम्ह  
मुताबिक खान है।  
बावता नसुन पापा।

$\frac{P_{alt}}{P_{alt} + P_{di}}$   
 6/12/2022